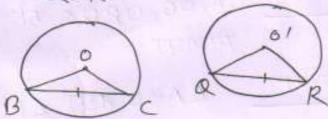
Exercise-10.2

(1) याद कीजिए कि दो वृत्त सर्पांगसम होते हैं, यदि उनकी त्रिज्याहें बराबर हों। सिद्ध कीजिए कि सर्वांगलम क्रुतों की बराबर जीवाएं उनके केन्द्रीं पर बराबर कोण अंतरित करती है।

Aug.

दिया है:- C(0,0) और C(0,0) दो वन सर्वांगसम ह AZII BC=QR - 1

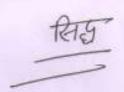
सिद्ध करना है: - LBBC= LQO'R



221-1: 08,0C,0'Q,0'R & AMILY 1

AHIOT! DBOC AUT DRO'R A, BC=QR [anto od] 0B = 0'Q बिर्वांगसम वृत्तीं की त्रिप्पाह 0°C = 0'R बिर्वांगलम हत्रे की क्रिपाँ

> -: A BOC = ARO'R SSS ENGINEMAT A] -: LBOC = LQO'R [CPCT]



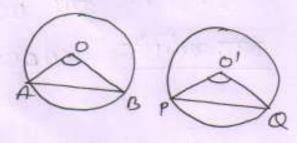
(24)

(१) सिद्ध की जिए कि चिद्र स्वीं ग्रांसम वृत्तों की जीवाँ उनके केन्द्री पर ब्रदाबर कोण अंतरित की तो जीवाँ खराबर होती है।

र्पिया है:- ८(०,४) तया ८(०,४) हो द्वत सर्वांगलम है तया ८АОВ = ८РО'Д — (1)

REG 5577 8: AB = PQ

PIMILIT /



AAOB JUIT APO'Q A,

८०० = ८०० [सर्वांगलम वर्ते की त्रिज्यारे] ०० = ०० [सर्वांगलम वर्ते की त्रिज्यारे] ०० = ०० [सर्वांगलम वर्ते की त्रिज्यारे]

ं. AAOB \ APO'& [SAS लर्बांगलमता से]

- AB=PQ [CPCT]

149